मैं मैं छोड़ माँ माँ बोल

मैं मैं छोड़, माँ माँ बोल x॥-॥
ये नाम, बड़ा अनमोल* x॥
मैं मैं छोड़, माँ माँ बोल x॥-॥

ये मैंने किया, वो मैंने किया,
"क्या तूने किया, माँ जानती है" ।
तूँ क्या है तेरी, औक़ात है क्या,
"तेरी रग रग को, पहचानती है" ॥
अब भी वक़्त है, संभल जा वर्ना* ।
*खुल जाएगी तेरी पोल,,,
मैं मैं छोड़, माँ माँ बोल x॥-॥

रावण भी, मैं मैं करता था,
"दस शीश कटे, वो मारा गया" ।
हिरण्य कश्यप को, जांघो पे,
"रख पेट था, उसका फाड़ा गया" ॥
जिसने खुद पर, अभिमान किया* ।
फिर उसका हो गया बिस्तर गोल,,,
मैं मैं छोड़, माँ माँ बोल x॥-॥

सम्मान मान, सब माँ का है,
"ये जीवन भी तो, माँ ने दिया" ।
अपना तो इसमें, कुछ भी नहीं,
"सब माँ ने दिया, सब माँ ने दिया" ॥
साँसों का ये, पंछीं इक दिन* ।
उड़ जायेगा तन का पिंजरा खोल,,,
मैं मैं छोड़, माँ माँ बोल x॥-॥

यह बात, बहुत ही सच्ची है,
"क्यों, तेरी समझ में आती नहीं" ।
जिस घर में, माँ की ज्योत जगे,
"वहाँ, बुरी नज़र कभी जाती नहीं" ॥
चंचल जो, माँ के बच्चे हैं* ।
नहीं होते कभी वो डाँवाडोल,,,
मैं मैं छोड़, माँ माँ बोल x॥-॥
ये नाम, बड़ा अनमोल* x॥
मैं मैं छोड़, माँ माँ बोल x॥-॥

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

स्वर : नरेन्द्र चंचल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24154/title/main-main-chorh-maa-maa-bol

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |